मानवाधिकार और मूलभूत स्वतन्त्रता फिर से दिलाने की बात कही गई थी ।

**Indian Delegation to Arabian States**

**451. Shri Hem Raj:**
**Shri Daljit Singh:**

Will the Minister of **External Affairs** be pleased to state:

(a) the number of Indian delegations which visited the Arabian States during the year 1965; and

(b) how far they have been able to counteract the anti-Indian propaganda of Pakistan in those countries?

**The Minister of External Affairs (Shri Swaran Singh):** (a) Apart from the Vice-President's visit to Kuwait, Saudi Arabia, Jordan, Greece and Turkey, there were three delegations; first, led by Shri Nur-ud-din Ahmed to Mecca, second, a Goodwill delegation led by Shri Ali Zaheer to Kuwait, Iran, Lebanon, Jordan, Iraq, etc. and third, another Goodwill delegation led by Shri C. D. Pande, M.P., to Morocco, Algeria and Tunisia.

(b) The delegations had frank exchanges of views with the leaders of the countries visited which led to a better appreciation of India's policies, both internal and external. From the fact that the delegations were well received and adequately repotred through the publicity media in the Arab countries concerned, it is believed that they were effective in projecting India's point of view and in countering any false propaganda against India.

**श्री माइकेल स्काट**

**452. श्री ओंकार लाल बेरवा :**
**श्री हुकम चन्द कछवाय :**

क्या **वैदेशिक-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि श्री माइकेल स्काट को इंगलैंड से फिर बुलवाया जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो उस के क्या कारण हैं;

(ग) क्या यह भी सच है कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान उन्हें चीन और पाकिस्तान से शस्त्र सहायता मिली थी और वह भारत के विरुद्ध विषैला प्रचार करते रहे; और

(घ) यदि हां, तो सरकार ने उन के विरुद्ध क्या कार्यवाही की है ?

**वैदेशिक-कार्य मन्त्री (श्री स्वर्ण सिंह) :** (क) और (ख). रेवरेन्ड माइकेल स्काट 11 जुलाई को डाक्टरी इलाज कराने के लिए यूनाइटेड किंगडम गए थे और 1 नवंबर, 1965 को भारत लौट आए ।

(ग) जी नहीं ।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।

**झण्डा दिवस**

**453. श्री ओंकार लाल बेरवा :**
**श्री हुकम चन्द कछवाय :**
**श्री विश्वनाथ पाण्डेय :**

क्या **प्रतिरक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 7 दिसम्बर, 1965 को झण्डा-दिवस पिछले वर्ष की तुलना में अधिक उत्साह से मनाया गया था; और

(ख) यदि हां, तो पिछले वर्ष की तुलना में कितनी रकम इकट्ठी की गई थी ।

**प्रतिरक्षा मन्त्री (श्री यशवन्तराव चव्हाण):** (क) जी हां ।

(ख) झण्डा दिवस 1965 पर इकट्ठी हुई कुल राशि के संबंध में सूचना इस समय प्राप्त नहीं है । यह जुलाई, 1966 के पहले सप्ताह ही में प्राप्त हो सकेगी क्योंकि झण्डा दिवस का हिसाब पहली जुलाई से अगले वर्ष की 30 जून तक खुला रहता है ।